UPSC CSE प्रीलिम्स ट्रेंड एनालिसिस (2011-2026)

परिचय (Introduction)

UPSC प्रीलिम्स केवल ज्ञान की परीक्षा नहीं, बल्कि एक रणनीतिक दिमागी खेल है। इसमें सफल होने के लिए, आपको एक छात्र की तरह अध्ययन करने के बजाय एक रणनीतिकार की तरह सोचना होगा। यह विश्लेषण 2011 से 2024 तक के 14 वर्षों के पेपर्स पर आधारित है, जो आपको UPSC के बदलते पैटर्न को समझने और एक प्रभावी रणनीति बनाने में मदद करेगा।

GS पेपर-I: विषय-वार रणनीति

1. हमेशा स्थिर रहने वाले विषय: राजव्यवस्था (Polity) और अर्थव्यवस्था (Economy)

ये आपके सबसे सुरक्षित और भरोसेमंद विषय हैं, जिनका सिलेबस और स्रोत पूरी तरह निश्चित हैं।

- **16 वर्षों का पैटर्न (2011–2026):** राजव्यवस्था और अर्थव्यवस्था से मिलकर हर साल लगातार **26 से 29 प्रश्न** पूछे जा रहे हैं। वर्ष 2025 और 2026 की परीक्षाओं में भी यह निरंतरता बनी रही।
- **बदलता हुआ स्वरूप:** अब सीधे अनुच्छेदों या सिद्धांतों को रटने वाले सवाल नहीं पूछे जा रहे हैं।
    - **Polity:** इसमें अब व्यावहारिक प्रशासन (Applied Administration) पर ध्यान दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए, 2026 में वैक्सीन वितरण और सरकारी समझौतों से जुड़ी प्रशासनिक केस स्टडीज पूछी गईं।
    - **Economy:** रटने के बजाय संस्थागत ढांचे पर सवाल आ रहे हैं, जैसे—Alternative Investment Funds (2025) और RBI के व्यावहारिक कार्य।
- **रणनीति:** इन दोनों विषयों में कम से कम **90% सटीकता** का लक्ष्य रखें। अवधारणाओं को गहराई से समझें क्योंकि इन विषयों के सवाल आपके प्रतिस्पर्धी भी सही करके आएंगे।

2. सबसे अधिक स्कोर कराने वाले विषय: भूगोल (Geography) और पर्यावरण (Environment)

भारतीय वन सेवा (IFoS) की परीक्षा का प्रीलिम्स भी इसी के साथ आयोजित होने के कारण ये दोनों विषय अब एक बड़े ब्लॉक के रूप में उभरे हैं।

- **16 वर्षों का पैटर्न (2011–2026):** वर्ष 2025 और 2026 में भी इस **"ग्रीन जोड़ी"** का दबदबा कायम रहा और दोनों से मिलकर **31 से 32 प्रश्न** पूछे गए। यानी पूरे पेपर का लगभग एक-तिहाई हिस्सा इन्हीं दो विषयों से था।
- **बदलता हुआ स्वरूप:** सवाल अब अत्यधिक विस्तृत और मैपिंग से जुड़े हुए आ रहे हैं।
    - **Geography:** अब बुनियादी भौतिक भूगोल की जगह पूरी तरह से करंट अफेयर्स से जुड़ी मैपिंग पूछी जा रही है (जैसे—इक्काडोर का तुंगुराहुआ ज्वालामुखी, लेक तुर्काना और एंडीज पर्वत से जुड़े देश)।
    - **Environment:** वैश्विक नियमों और संधियों (जैसे—पेरिस समझौते का आर्टिकल 6 कार्बन मार्केट) तथा वन्यजीव संरक्षण (जैसे—वेस्टर्न हूलॉक गिब्बन और अमूर फाल्कन) पर गंभीर सवाल पूछे जा रहे हैं।
- **रणनीति:** इन दोनों विषयों को एक साथ जोड़कर पढ़ें। जब भी कोई राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव (Environment) चर्चा में हो, तो मैप पर उसकी भौगोलिक स्थिति और वहां बहने वाली नदियों (Geography) को तुरंत देखें।

3. अस्थिर विषय: इतिहास, विज्ञान-प्रौद्योगिकी और करंट अफेयर्स

ये वो विषय हैं जहाँ प्रश्नों की संख्या और कठिनाई का स्तर हर साल तेजी से बदलता है।

- **16 वर्षों का पैटर्न (2011–2026):**
    - **इतिहास** में 2026 में अचानक **16 प्रश्न** पूछे गए, जिसमें आधुनिक इतिहास के बजाय प्राचीन और मध्यकालीन शब्दावलियों (जैसे—*क्षेत्र-पत्नी* और मध्यकालीन सिंचाई यंत्र *अरघट्ट*) और दक्षिण भारत के इतिहास (अहोम साम्राज्य के *मोइदम*) पर विशेष ध्यान दिया गया।
    - **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** से 2025 और 2026 में **14 से 15 प्रश्न** पूछे गए, जिनका पूरा ध्यान दैनिक जीवन में उपयोगी तकनीकों (जैसे—Large Language Models (LLMs), क्वांटम कंप्यूटिंग, ग्रीन हाइड्रोजन और गहरे समुद्र के खोजी मिशन) पर रहा।
    - **करेंट अफेयर्स** को अब एक स्वतंत्र विषय के रूप में नहीं, बल्कि सीधे पारंपरिक विषयों (Static Syllabus) के साथ जोड़कर पूछा जा रहा है।
- **रणनीति:** इन विषयों में अपना जोखिम कम रखें। आधुनिक इतिहास के महत्वपूर्ण हिस्सों और चर्चा में चल रही बुनियादी तकनीकों पर अपनी पकड़ मजबूत रखें, और अत्यधिक गहराई वाले बिखरे हुए तथ्यों के पीछे भागने से बचें।

UPSC CSE प्रारंभिक परीक्षा पेपर-I (GS) विषयवार वेटेज (2011-2026)																
UPSC प्रारंभिक परीक्षा GS विषय	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026
इतिहास	12	20	16	19	15	16	13	18	15	17	19	14	13	12	13	16
भूगोल	11	17	18	14	16	7	9	10	14	10	10	12	17	18	16	17
भारतीय राजव्यवस्था	12	20	16	14	13	12	22	16	15	17	14	10	14	15	14	13
भारतीय अर्थव्यवस्था	19	13	17	11	17	18	19	18	14	15	15	19	14	14	15	13
पर्यावरण और पारिस्थितिकी	15	17	20	20	14	16	14	11	19	18	17	15	15	15	16	15
विज्ञान और प्रौद्योगिकी	18	9	12	13	9	7	8	13	12	10	12	16	8	13	14	15
करंट अफेयर्स	13	4	1	9	16	24	15	14	11	13	13	14	19	13	12	11
कुल	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100

CSAT पेपर-II — सबसे बड़ी बाधा

CSAT अब एक आसान बाधा नहीं है; यह एक किला बन गया है।

1. बुनियादी अंकगणित (Basic Numeracy) का बढ़ता दायरा

2011 में जहाँ अंकगणित के केवल 11 प्रश्न थे, वहीं 2023 से 2026 के बीच यह बढ़कर लगातार **40 प्रश्नों** पर पहुँच गया है। अब पूरे CSAT पेपर का आधा हिस्सा अकेले गणित से जुड़ा है।

2. डेटा पर्याप्तता (Data Sufficiency) का नया पैटर्न

2026 के पेपर में सीधे तौर पर सवाल हल करने के बजाय **कथन-आधारित डेटा पर्याप्तता प्रश्नों** (Statement-based Data Sufficiency) का उपयोग किया गया। इसमें अभाज्य संख्याओं, पूर्णांकों और सम-विषम गुणों (जैसे $xy^2 = 116$ की सत्यता जांचना) का परीक्षण किया गया। बिना मूल सिद्धांतों को समझे इन्हें हल करना बेहद कठिन है।

3. व्यावहारिक और तार्किक प्रश्न

पिछले दो सालों में अंकगणित के सवाल सीधे न होकर व्यावहारिक स्थितियों पर आधारित रहे हैं:

- **2025 का पैटर्न:** किसी वस्तु की कीमत में k% की क्रमिक वृद्धि और कमी का समीकरण।

- **2026 का पैटर्न:** एक खिलौने द्वारा 5 फीट आगे और 2 फीट पीछे छलांग लगाने वाली स्थिति पर आधारित रैखिक समीकरण (Linear Equation) का निर्माण।
- **2026 का क्रमपरिवर्तन (Permutations):** 'QUEUE' शब्द के अक्षरों को व्यवस्थित करने की शर्त, जिसमें 'Q' के बाद हमेशा 'U' आए।

4. बोधगम्यता (Comprehension) की स्थिर भूमिका

अंकगणित के कठिन स्तर के बीच, **25 से 26 प्रश्नों** के साथ कॉम्प्रिहेंशन अभी भी एक सुरक्षित आधार बना हुआ है। इसके गद्यांश अब मुख्य रूप से हरित अर्थव्यवस्था, कृषि और शिक्षा सुधारों के गंभीर तार्किक तर्कों पर आधारित होते हैं।

5. डिसीजन-मेकिंग की अचानक वापसी

2014 से 2022 तक गायब रहने के बाद, 2023, 2024 और 2026 में इसकी फिर से वापसी हुई है। 2026 में प्रशासनिक नैतिकता पर आधारित **3 व्यावहारिक सवाल** पूछे गए।

UPSC CSE प्रारंभिक परीक्षा पेपर-II (CSAT) विषयवार वेटेज (2011-2026)																
UPSC प्रारंभिक परीक्षा CSAT विषय	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026
पठन समझ (Reading Comprehension)	39	40	33	31	30	27	30	26	30	25	27	28	26	27	26	25
तार्किक तर्क एवं विश्लेषणात्मक क्षमता	17	28	21	23	30	25	26	25	14	10	18	9	10	13	14	12
निर्णय-निर्माण एवं समस्या समाधान	8	9	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	7	0	3
सामान्य मानसिक क्षमता और बुनियादी संख्यात्मकता	11	3	11	20	18	28	24	17	26	39	33	31	39	33	40	40
डेटा व्याख्या (DI)	5	0	9	6	2	0	0	12	10	6	2	12	0	0	0	0
Total	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80

सफलता के लिए अंतिम ब्लू-प्रिंट

- **GS पेपर-I के लिए:** पर्यावरण और भूगोल को प्राथमिकता दें। राजनीति और अर्थव्यवस्था में एक मजबूत नींव बनाएं। इतिहास, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, और करंट अफेयर्स के संतुलित कवरेज के साथ अप्रत्याशितता के लिए तैयार रहें।

- **CSAT पेपर-II के लिए:** बेसिक न्यूमरेसी पर अधिकतम ध्यान दें। रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन को अपना विश्वसनीय स्कोरिंग क्षेत्र बनाएं। रीजनिंग को नजरअंदाज न करें और डिसीजन-मेकिंग के नए ट्रेंड से अवगत रहें।

IAS PCS Prep